हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(दूर्वा)(पाठ 4)(गुब्बारे का चीता – प्रेमचंद)
(कक्षा 7)

प्रश्न 1:

कहानी से

क:

हेडमास्टर साहब ने बच्चों को सरकस में जाने से क्यों मना किया होगा ?

क:

सरकस के विज्ञापन में तरह–तरह के जंगली जानवर अजीब–अजीब काम करते दिखाया गया था। इसलिए हेडमास्टर साहब ने लड़कों को वहाँ जाने की मनाही कर दी थी ।

ख:

सरकस के बारे में कौन–कौन सी अफवाहें फैली हुई थी ?

ख:

सरकस के बारे में यह अफवाहें फैली हुई थी कि 'आइए और तमाशे का आनंद उठाइए। बड़े–बड़े खेलों के सिवा एक खेल और भी दिखाया जाएगा, जो न किसी ने देखा होगा और न सुना होगा।'

ग:

बलदेव सरकस में जाकर निराश क्यों हो गया ?

ग:

जानवरों की दुर्दशा देखकर बलदेव निराश हो गया क्योंकि वहॉ सभी जानवर कमजोर और सुस्त थे ।

घ:

बलदेव और चीता दोनों गुब्बारे पर ऊपर उठते जा रहे थे। फिर भी चीते ने बलदेव को कोई नुकसान क्यों नहीं पहुँचाया?

घ:

चीता जो बलदेव के साथ गुब्बारे से ऊपर उठ रहा था, उसे अपनी जान की फिक्र हो रही थी उसे भी ऊँचाई से डर लग रहा था इसलिए चीते ने बलदेव को नुकसान नहीं पहुँचाया ।

ङ:

कहानी के इस वाक्य पर ध्यान दो ।

इतने में उसे एक बड़ा भारी गुब्बारा दिखाई दिया , तुम्हें क्या लगता है कि गुब्बारा भारी होता है ? लेखक ने उसे भारी क्यों कहा है ?

ङ:

लेखक ने गुब्बारे को भारी इसलिए कहा है क्योंकि वह बहुत बड़ा था और देखने में भारी लग रहा था ।

2:

सोचो और बताओ

क:

गुब्बारे में से हवा निकलने पर वह नीचे क्यों आने लगता है ?

क:

गुब्बारे से हवा निकलने पर वह इसलिए नीचे आने लगता है क्योंकि धरती हर वस्तु को अपनी ओर खींचती है ।

ख:

स्कूल में तुम्हें क्या–क्या करने के लिए अनुमति लेनी पड़ती है ?

ख:

स्कूल में हमें क्लास से बाहर जाने और पानी पीने तथा किसी मित्र से कुछ पूछने के लिए अनुमति लेनी पडती है ।

ग:

क्या तुमने अपने आस–पास के जानवरों की दुर्दशा देखी है ? उसके बारे में बताओ।

ग:

हमने अपने आसपास भी कई जानवरों की दुर्दशा देखी है कइ लोग तो जानवरों को बेवजह मारते हैं उनके साथ बुरा बर्ताव करते हैं वे ऐसा मानते है कि उनके अंदर जान ही नहीं है उन्हें दर्द भी नहीं होता है ।

घ:

सरकस में जानवरों के करतब दिखाए जाते हैं। उनके प्रति क्रूरता बरती जाती है। क्या ऐसे सरकस को मनोरंजन का साधन माना जा सकता है? सरकस को स्वस्थ मनोरंजन का साधन बनाने के लिए क्या किया जाना चाहिए ?

घ:

सरकस में जानवरों के साथ क्रूरता बहुत कष्ट देने वाली होती है और इस प्रकार की क्रूरता को मनोंरंजन का साधन नहीं माना जा सकता को सरकस को स्वस्थ मनोरंजन का साधन बनानें के लिए हमें जानवरों के अलावा और कोई विकल्प ढूंढ़ना चाहिए ।

3:.

मुहावरे

नीचे लिखे वाक्य पढ़ो। उनमें इस्तेमाल हुए मुहावरों को अपने ढंग से इस्तेमाल करके कुछ और वाक्य बनाओ।

क:

बलदेव के तो होश उड़े हुए थे।

क:

जब मैंने जंगल में शेर को खुले में घूमते देखा तो मेरे तो होश ही उड़ गए ।

ख:
बलदेव के दिल में जो बात बैठ जाती उसे पूरा करके ही छोड़ता।
ख:
रवि के दिल में यह बात अच्छी तरह बैठ चुकी है कि वह कुछ भी कर ले अच्छा खिलाड़ी नहीं बन सकता

ग:
वह इतना डरा कि उसके हाथ–पाँव फूल गए।
क:
घर में अचानक सॉप को निकला हुआ देख कर मेंरे तो होश ही उड़ गए ।

घ:
ऐसा लगा जैसे किसी ने चीता का खून चूस लिया हो।
घ:
मालिक ने नौकर से इतना काम करवाया मानो उसका सारा खून ही चूस लिया हो

ङ:
बलदेव का दिल काँप उठा
ङ:
अपने घर के पास हो रही लड़ाई को देखकर बलदेव का दिल कॉप उठा ।